No. of Printed Pages : 2

CBKG–004

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी.बी.के.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

सी.बी.के.जी.–004 : कालगणना और ऐतिहासिक कालक्रम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड-1

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×20=40

(i) भारतीय कालगणना में किन्हीं **दो** प्रमुख आचार्यों के अनुसार कालगणना के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

(ii) भूगर्भशास्त्रीय कालगणना के सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए।

(iii) मन्वन्तरों के इतिहास पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

खण्ड–2

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×6=30

(i) पुरातात्विक युग–विभाजन क्या है ?

(ii) सप्तर्षि संवत् और तिष्य संवत् में क्या सम्बन्ध है ?

(iii) निम्नलिखित श्लोक का अर्थ लिखिए :

लोकानामन्तकृत् कालः कालोऽन्यः कलनात्मकः।

स द्विधा स्थूल–सूक्ष्मत्वात् मूर्तश्चामूर्त उच्यते।।

(iv) आर्यभट्टीय ग्रंथ का परिचय दीजिए।

(v) वृहद् कालखण्ड का इतिहास–लेखन का क्या प्रकार है ?

(vi) विक्रम संवत् का वर्णन कीजिए।

(vii) भारतीय परम्परा में रामायण का कालखण्ड क्या है ?

× × × × × × ×